पाठ-14

मैं सबसे छोटी होऊँ

- सुमित्रानंदन पंत

मैं सबसे छोटी होऊँ,
तेरी गोदी में सोऊँ,
तेरा अंचल पकड़-पकड़कर
फिरूँ सदा माँ! तेरे साथ,
कभी न छोड़ूँ तेरा हाथ!

बड़ा बनाकर पहले हमको
तू पीछे छलती है मात!
हाथ पकड़ फिर सदा हमारे
साथ नहीं फिरती दिन-रात!

अपने कर से खिला, धुला मुख,
धूल पोंछ, सज्जित कर गात,
थमा खिलौने, नहीं सुनाती
हमें सुखद परियों की बात!

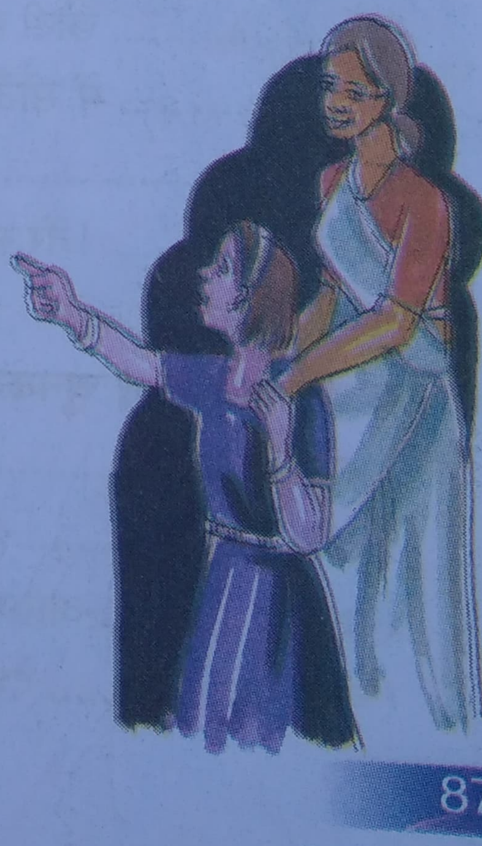

ऐसी बड़ी न होऊँ मैं,
तेरा स्नेह न खोऊँ मैं,
तेरे अंचल की छाया में
छिपी रहूँ निस्पृह, निर्भय,
कहूँ - दिखा दे चंद्रोदय!

अभ्यास-माला

1. आओ, 'मैं सबसे छोटी होऊँ' कविता का हाव-भाव के साथ वाचन करें।

2. आओ, बताएँ :

(क) 'मैं सबसे छोटी होऊँ' कविता के जरिए किस इच्छा की बात की गई है?

(ख) बच्ची किसका अंचल पकड़कर घूमना चाहती है?

(ग) माँ हमारे लिए क्या-क्या करती हैं?

3. पूर्ण वाक्य में जवाब दो :

(क) 'मैं सबसे छोटी होऊँ' कविता के कवि का नाम क्या है?

(ख) बड़े होने पर माँ हमारे लिए क्या-क्या नहीं करतीं?

(ग) बच्ची क्यों सबसे छोटी बनकर रहना चाहती है?

(घ) बच्ची को क्यों अनुभव होता है कि माँ उसके साथ छल करती हैं?

4. 'मैं सबसे छोटी होऊँ' कविता में वर्णित बातों को अपने शब्दों में बताओ।

5. खाली जगहों की पूर्ति करो :

'मैं................. छोटी होऊँ

तेरी .... में सोऊँ,

तेरा अंचल ....

फिरूँ................! तेरे साथ,

कभी न छोड़ूँ........!

6. आओ, सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा करें :

(क) मैं सबसे .... होऊँ। (छोटी/छोटा)

(ख) नदी .... है। (बहता/बहती)

(ग) .... आराम नहीं चाहता। (में/मैं)

(घ) यह .... देश है। (हमारा/हमारे)

7. आओ, एक शब्द में बताएँ :

जो कविता लिखती है =	कवयित्री	जो सजाया हुआ हो =	
जिसे स्पृहा न हो =		जिसे भय न हो =	

8. इस कविता को पढ़ने के बाद एक बच्ची और उसकी माँ के चित्र तुम्हारे मन में उभरते हैं। वह बच्ची और क्या-क्या कहती होगी? क्या-क्या करती होगी? कल्पना करके एक कहानी बनाओ।

9. आओ, एकवचन और बहुवचन के शब्दों को पढ़ें, जानें और लिखें :

लड़का	लड़के	नारी	नारियाँ
बच्चा	....	परी	....
छोटा	छोटे	छात्रा	छात्राएँ
खिलौना	....	माता	....

10. नीचे एक कविता की प्रथम दो पंक्तियाँ दी गई हैं। तुम इसके आधार पर कविता को और आगे बढ़ाओ और शीर्षक भी दो :

जग में सबसे न्यारी है,
माँ मेरी सबसे प्यारी है।

....

....

11. दोनों शब्दों को जोड़कर नए शब्द बनाओ :

सूर्य → अस्त = सूर्यास्त
सूर्य → उदय = -----

परम → अणु = -----
परम → आत्मा = -----

विद्या → अर्थी = -----
विद्या → आलय = -----

12. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

अंचल	=	आँचल	कर	=	हाथ
मात	=	माता	निस्पृह	=	बिना लोभ के
गात	=	शरीर	निर्भय	=	निडर